चिंताजनक ▶ आदिवासी अंचलों में कुपोषण की गंभीर तस्वीर, बैहर-बिरसा में हालात चिंताजनक

करोड़ो खर्च के बाद भी 27 हजार बच्चे कुपोषित

नवभारत, बालाघाट । जिले में बच्चों के कुपोषण की स्थिति एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा अगस्त 2026 में जारी आंकड़ों के अनुसार, शून्य से पांच वर्ष तक के 1 लाख 21 हजार 892 बच्चों का वजन परीक्षण कराया गया। इनमें 27 हजार से अधिक बच्चे कुपोषित पाए गए, जबकि 3,741 बच्चे अतिकुपोषित श्रेणी में दर्ज किए गए हैं।

यह आंकड़ा ऐसे समय सामने आया है, जब जिले के आदिवासी क्षेत्रों में बच्चों में मीजल्स, पीलिया, डायरिया और खून की कमी जैसी स्वास्थ्य समस्याओं की खबरें सामने आती रही हैं। सवाल यह है कि वर्षों से संचालित पोषण आहार और बाल स्वास्थ्य योजनाओं के बावजूद जमीनी स्थिति में अपेक्षित सुधार क्यों नहीं दिखाई दे रहा?

कुपोषण की वास्तविक स्थिति समझने के लिए केवल एक वर्ष के आंकड़े पर्याप्त नहीं होते। वर्ष-दर-वर्ष आंकड़ों की तुलना से ही यह पता चल सकता है कि कुपोषण घटा है या बढ़ा और सरकारी योजनाओं का कितना असर हुआ।

मीडिया द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी देवेन्द्र कुमार सुन्दरियाल से वर्ष 2026 से पहले के वर्षों के आंकड़े जानने का प्रयास किया गया, लेकिन जानकारी उपलब्ध नहीं कराए जाने की बात सामने आई। ऐसे में बड़ा सवाल है कि यदि पुराने आंकड़े सार्वजनिक नहीं होंगे, तो जिले में कुपोषण के खिलाफ किए गए प्रयासों की सफलता का आकलन कैसे होगा? सरकार की योजनाओं का उद्देश्य केवल बच्चों का वजन दर्ज कर लक्ष्य पूरा करना नहीं, बल्कि उन्हें कुपोषण से बाहर लाना होना चाहिए। यदि हजारों बच्चे आज भी कुपोषित और हजारों में से सैकड़ों अतिकुपोषित श्रेणी में हैं, तो पोषण आहार, आंगनवाड़ी सेवाओं, स्वास्थ्य जांच और उपचार व्यवस्था की प्रभावशीलता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

बैहर, परसवाड़ा और बिरसा जैसे क्षेत्रों में कुपोषण के साथ बीमारियों की चुनौती भी सामने है। ऐसे में प्रशासन को केवल आंकड़े जारी करने के बजाय कुपोषण के कारणों, उपचार, पोषण वितरण, आंगनवाड़ी सेवाओं और बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति का स्वतंत्र एवं पारदर्शी ऑडिट कराना चाहिए। सवाल अब यह है कि सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज हजारों कुपोषित बच्चों के भविष्य को आंकड़ों से आगे कब प्राथमिकता मिलेगी?

बैहर-बिरसा में कुपोषण की तस्वीर और गंभीर

आदिवासी बाहुल्य बैहर और बिरसा क्षेत्रों में स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक बताई गई है। आंकड़ों के मुताबिक बैहर में 10,640 बच्चे कुपोषण से प्रभावित पाए गए। इनमें 460 बच्चे अतिकुपोषित और 1,620 बच्चे मध्यम कुपोषित श्रेणी में दर्ज किए गए। वहीं बिरसा में 14,259 बच्चों का वजन परीक्षण किया गया। इनमें 551 बच्चे अतिकुपोषित, 1,948 मध्यम कुपोषित और 1,197 बच्चे कम वजन वाले पाए गए। ये आंकड़े आदिवासी अंचलों में पोषण, स्वास्थ्य सेवाओं और जागरूकता की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं।

दीपके बोले- सरकार आदिवासी बच्चों की मौत की जिम्मेदार

▶ बालाघाट में हम बड़ा आंदोलन करेंगे, यहां टीकाकरण और पीने का साफ पानी तक नहीं

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट जिले के आदिवासी अंचलों में बैगा बच्चों की मौत के मामले को लेकर सीजेपी प्रवक्ता अभिजीत दीपके आज बालाघाट पहुंचे। वे उन गांवों का दौरा करेंगे, जहां हाल के दिनों में बच्चों की मौतें हुई हैं। इस दौरान वे मृत बच्चों के परिजनों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं और परिस्थितियों की जानकारी लेंगे।

जानकारी के अनुसार, अभिजीत दीपके सुबह बालाघाट पहुंचे और फिर अपने साथियों व आदिवासी युवाओं के साथ सुबह 10 बजे क़रीब अडोरी, कोरका और बोनदारी सहित अन्य प्रभावित गांवों के लिए रवाना हुए हैं अब उन गांव पहुंच सकते हैं। उनके दौरे को लेकर आदिवासी क्षेत्र के युवाओं में भी सक्रियता दिखाई दे रही है।

सीजेपी प्रवक्ता अभिजीत दीपके ने कहा कि वे बच्चों की मौत से प्रभावित परिवारों से मिलकर पूरे मामले की जानकारी लेंगे और उनके लिए आगे जो भी संभव होगा, वह करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने मृत बच्चों के प्रति दुख व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवारों के साथ संवेदना जताई। उन्होंने कहा कि बच्चों की मौत के मामले में जिम्मेदारी तय कराने के लिए वे बालाघाट आए हैं। साथ ही उन्होंने बड़े आंदोलन के संकेत भी दिए। दीपके के मुताबिक, बालाघाट के आदिवासी युवाओं से पहले भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई थी, लेकिन अब उन्हें पुलिस द्वारा परेशान किए जाने की बात सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद आदिवासी युवा पीछे हटने वाले नहीं हैं और यह लड़ाई लंबी चलेगी।

बैगा आदिवासी क्षेत्रों में बच्चों की मौत को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। कांग्रेस और अन्य संगठनों द्वारा मौतों का आंकड़ा 30 से अधिक बताए जाने के बीच सरकार और प्रशासन की ओर से अब तक 12 बच्चों की मौत की पुष्टि किए जाने की बात कही जा रही है। मौतों के कारणों में मलेरिया और मीजल्स समेत अन्य बीमारियों का उल्लेख किया गया है।बैगा समुदाय को केंद्र सरकार ने विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह का दर्जा दिया है, यानी सबसे कम साक्षरता और सबसे गहरे आर्थिक पिछड़ेपन वाले समुदायों में से एक, घने जंगलों में बसी बस्तियां। इस पर पानी की पुरानी समस्या जुड़ती है, नल-जल योजना के बावजूद कई गांवों तक पानी नहीं पहुंचता।

सबसे गंभीर है कुपोषण, बालाघाट के 5 साल तक के बच्चों में 17% कुपोषित हैं, मौत वाले इलाकों में यह आंकड़ा कहीं ज्यादा है। सबसे चौंकाने वाली बात, इन गांवों में करीब 6 महीने से पोषण आहार (टेक होम राशन) बंद था, ठीक उसी दौर में जब बीमारी फैलनी शुरू हुई।

एक नजर में

किरनापुर में जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का शुभारंभ

नवभारत, किरनापुर। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय किरनापुर के खेल मैदान में जिला स्तरीय 17 वर्ष और 19 वर्ष वर्ग की एथलेटिक्स खेल कूद प्रतियोगिता का आज विधिवत उद्घाटन हुआ। प्रतियोगिता के शुभारंभ के अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष राणा कल्याण सिंह व उपाध्यक्ष भुवन भाऊ राहंगडाले प्रमुख अतिथि में उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि में योगराज भास्कर जनपद सभापति रहे। श्री गणेश प्रसाद सोनी,एन सी परिहार प्राचार्य हाईस्कूल पाला, आयोजक प्राचार्य श्रीमती अनीता तारन, एवं जिला क्रीड़ा निरीक्षक दीपक गिरी गोस्वामी रहे। आज़ के कार्यक्रम में 100मी.400मी.,1500मी.,3000मी, दौड़, लम्बी कूद,गोला फेंक, प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता संपन्न कराने में हरिश धुवारे पीटीआई, सुरेंद्र चित्रीव आयोजक पीटीआई, राजेश बिसेन, राजेंद्र सहारे, विजय बोपचे,जय ठाकरे, सोमनाथ पटले,डिलेन्द्र राहंगडाले। प्रतियोगिता का शुभारंभ सरस्वती वंदना और मार्च पास्ट के माध्यम से किया गया।

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2027 को लेकर जागरूकता एवं पंजीयन अभियान

बालाघाट । विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग क्विज़-2027 को लेकर जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा माय भारत बालाघाट द्वारा जिले में व्यापक जागरूकता एवं पंजीयन अभियान चलाया जा रहा है। जिला स्तर एवं विकासखंड स्तर पर खिलाड़ियों, विद्यालय एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, खेल क्लबों, लाइब्रेरी तथा बस स्टेशन सहित विभिन्न स्थानों पर युवाओं को अभियान से जोड़ने के लिए प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। ह्रजिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा ने बताया कि अभियान के तहत विकासखंड लालबर्रा में विभिन्न खेलों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ियों को विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के संबंध में विस्तृत जानकारी दी जा रही है। उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में इस राष्ट्रीय पहल से जुड़ने की अपील की।

तिरोड़ी में जुए के फड़ पर छापा, 4 जुआरी धराए

नवभारत, कटंगी। तिरोड़ी थाना प्रभारी द्वारा ग्राम सावरगांव में अपराध मुक्ति को लेकर शुरू की गई ग्राम चौपाल का बड़ा असर अब जमीन पर दिखने लगा है। 9 सितम्बर से शुरू हुई इस चौपाल में ग्राम को शराब मुक्त, नशा मुक्त और अपराध मुक्त बनाने का संकल्प लिया गया था। ग्रामीणों में इसको लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है, अब गांव में कोई भी अपराध होने पर ग्रामीण तत्काल पुलिस को सूचना दे रहे हैं।

इसी जागरूकता का परिणाम है कि बीती रात सावरगांव में चल रहे जुए के फड़ की सूचना जागरूक ग्रामीणों ने पुलिस को दी और पुलिस ने तत्काल रेड कर 4 जुआरियों को रंगे हाथों धर दबोचा और धारा 13 जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही कर चार आरोपीयों सुरेन्द्र नगपुरे, रामेश्वर नेवारे, जाति गोवारी, रंजीत रनगिरे, संजय उदापुरे को गिरफ्तार किया गया।

सहयोग हॉस्पिटल ने बीमार बच्चों को दिया नि :शुल्क नव जीवन

नवभारत, बालाघाट। पिछले दो महीनों से संक्रामक बीमारी, बाल मृत्यु, कुपोषण और आदिवासी परिवारों की बिगड़ती स्वास्थ्य स्थिति के कारण गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। अब तक संक्रमण के कारण 30 बच्चों की मृत्यु होने से जिले के अति-दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा की पहुंच और तत्परता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

नक्सलग्रस्त, पहाड़ी और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण जरूरतमंद परिवारों तक समय पर उपचार पहुंचाना आज भी बड़ी चुनौती है। ऐसी चुनौतीपूर्ण स्थिति में सहयोग हॉस्पिटल, गोंदिया ने मानवतावादी दृष्टिकोण और सामाजिक प्रतिबद्धता से 'सहयोग - मिशन जीवन' यह अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत स्वास्थ्य टीम कठिन रास्ते और लंबा सफर तय करके गांव-गांव पहुंच रही है। बच्चों की स्वास्थ्य जांच, संक्रमण की पहचान और आवश्यक उपचार किया जा रहा है। गंभीर स्थिति वाले बच्चों को अस्पताल लाकर मुफ्त चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है।

अभियान के तहत अब तक 442 बच्चों की स्वास्थ्य जांच की गई है। उनमें से गंभीर या संक्रमित पाए गए 20 बच्चों को सहयोग हॉस्पिटल, गोंदिया में भर्ती किया गया है, जिनमें से 12 बच्चे पूरी तरह ठीक होकर घर लौट चुके हैं, जबकि 8 बच्चों का उपचार जारी है।

बैहर में लगा जन-विश्वास अभियान का जिला स्तरीय शिविर

▶ अधिकारियों ने क्षेत्र में पहुंचकर किया जनसंवाद

नवभारत, बैहर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर प्रदेश की जनता से सीधा संवाद स्थापित करने और उनकी समस्याओं का शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संचालित मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के अंतर्गत 12 सितंबर को बैहर के टाउन हॉल में जिला स्तरीय शिविर आयोजित किया गया।

कलेक्टर कुमार सत्यम के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में बैहर विधायक श्री संजय उईके, गणमान्य नागरिक सत्येन्द्र गुड्डा मरकाम, नगर पंचायत के पार्षद, जनपद सदस्य एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान जिले में 7 अगस्त से प्रारंभ हुआ है और आगामी 8 जनवरी 2027 तक संचालित किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के साथ मैदानी स्तर पर योजनाओं के क्रियानवयन करना है ।

बैहर के टाउन हॉल में जिला स्तरीय शिविर के आयोजन से पहले सभी विभागों के जिला एवं खंड स्तरीय अधिकारियों ने क्षेत्र का भ्रमण किया। अधिकारियों ने विभिन्न विभागों के संस्थानों, विकास कार्यों और गतिविधियों का निरीक्षण कर योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति का जायजा लिया।

कटंगी में लगी नेशनल लोक अदालत

▶ 98 प्रकरणों का हुआ निराकरण, लाखों की वसूली

नवभारत कटंगी। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार माननीय श्रीमान प्राणेश कुमार प्राण प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट एवं माननीय सतीश शर्मा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट के निर्देशन में शनिवार को वर्ष 2026 की तृतीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया।

लोक अदालत के शुभारंभ कार्यक्रम की शुरुआत खण्डपीठ क्रं. 17 की पीठासीन अधिकारी शबाना खान न्यायिक मजि./अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति के द्वारा माँ सरस्वती के छायाचित्र में माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। उक्त कार्यक्रम में एडीपीओ सुनील पहेरिया सहित खंडपीठ के सदस्य पूरनलाल चौधरी, न्यायिक कर्मचारी मधुसूदन नागेश्वर, समीर बिसेन, हितेन्द्र गढ़पाल, मुरलीधर गौतम, मुकेश उके, देवेन्द्र ठाकरे, उमेश भगत, श्रीमती हेमलता चौधरी, नाजिर सनूप उईके, सुनील डाकरे, कोर्ट मोहर्रिर छत्रपाल बघेल, विकास उईके, राधा सनोडिया, व्यवहार न्यायालय के समस्त कर्मचारीगण सहित कटंगी एवं तिरोड़ी के बैंकों के अधिकारीगण, नगर परिषद के कर्मचारीगण एवं समस्त पक्षकारगण उपस्थित थे। बैंकों के वसूली हेतु लंबित प्रकरणों में 06 प्रकरणों का निराकरण किया गया जिसमें पाँच लाख सैंतीस हजार रूपये की वसूली की गई, नगरपरिषद के जलकर के 14 प्रकरणों का निराकरण जिसमें बारह हजार छ: सौ रूपये की राशि वसूली की गई।

इन प्रकरणों का हुआ निराकरण

आयोजित नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित 34 आपराधिक प्रकरणों का निराकरण किया गया जिसमें 102 लोग लाभान्वित हुए, पारिवारिक विवाद से संबंधित 23 लंबित प्रकरणों का निराकरण चौदह लाख रूपये में किया गया जिसमें 78 लोग लाभान्वित हुए एवं धारा 138 चैक बाउंस के 01 प्रकरणों का निराकरण राशि पचास हजार रूपये की राशि में राजीनामा किया गया जिसमें 02 लोग लाभान्वित हुए।

नेशनल लोक अदालत : 1434 प्रकरणों का हुआ निराकरण

बालाघाट । राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट प्राणेश कुमार प्राण के कुशल मार्गदर्शन में शनिवार, 12 सितंबर 2026 को जिले में नेशनल लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया।

लोक अदालत में कुल 1545 प्रकरण प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 1434 प्रकरणों का निराकरण करते हुए कुल 4 करोड़ 79 लाख 5 हजार 609 रुपये की अवार्ड राशि निर्धारित की गई। नेशनल लोक अदालत के आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण द्वारा समस्त विभागों के अधिकारियों एवं न्यायाधीशगण की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा समय-समय पर प्रोत्साहित एवं निरंतर समीक्षा की गई।

दुकान से सोने-चांदी के जेवर पार

जबलपुर । ग्वारीघाट थाना अंतर्गत बादशाह हलबाई मंदिर के पास स्थित दुकान से चोर सोने चांदी के जेवरात एवं नगदी पार कर ले गया ।पुलिस के मुताबिक रमेश कुमार रजक निवासी बादशाह हलबाई मंदिर ग्वारीघाट ने लिखित शिकायत की कि लोकेश किराना स्टोर्स नाम से दुकान चालता है। रोज की तरह सुबह 8 .30 बजे अपनी दुकान खोलने आया तो देखा कि उसकी दुकान के गल्ले में रखे नगदी 50000 रूपये, व चिल्लर लगभग दो से ढाई हजार रूपये, चांदी के 15-16 सिक्के, चैक बुक नही थी कैमरे की रिकार्डिंग देखी तो पता चला कि जाली को काटकर चोर ने वारदात को अंजाम दिया।

निर्देश ▶ सार्वजनिक स्थलों पर मांस-मटन व अंडे की दुकानों को हटाने के निर्देश

आस्था भी, पर्यावरण भी और स्थानीय कलाकारों का सम्मान भी : भारती

नवभारत, बालाघाट। आगामी पर्यूषण महापर्व, तीजा पर्व एवं गणेश उत्सव को देखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने नगर पालिका के संबंधित विभागों को आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि पर्व हमारी आस्था और परंपराओं से जुड़े होने के साथ-साथ सामाजिक सद्भाव, पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहित करने का भी माध्यम बनें, इसके लिए हम सभी को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

जनभावनाओं और पर्वों की सात्विकता का रखा जाए ध्यान

नगर पालिका अध्यक्ष ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं राजस्व विभाग को निर्देशित किया है कि पर्यूषण महापर्व एवं गणेश उत्सव के दौरान सार्वजनिक स्थलों, प्रमुख मार्गों, धार्मिक स्थलों के आसपास तथा सामान्य नागरिकों के अधिक आवागमन वाले क्षेत्रों में खुले रूप से संचालित मांस, मटन एवं अंडे की दुकानों को हटाकर नियमानुसार अन्य उपयुक्त स्थानों पर व्यवस्थित किया जाए। उन्होंने कहा कि पर्यूषण महापर्व एवं गणेश उत्सव श्रद्धा, उपासना, संयम एवं सात्विकता से जुड़े पर्व हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस दौरान पूजा-अर्चना, उपवास और धार्मिक अनुष्ठान करते हैं। इसलिए उनकी आस्था एवं भावनाओं का सम्मान करते हुए सार्वजनिक स्थानों पर ऐसी गतिविधियाँ न हों, जिनसे किसी की धार्मिक भावनाएँ आहत हों। संबंधित दुकानदारों को इसकी सूचना देने और नगर में नियमित निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए गए हैं। निर्देशों के बावजूद नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। वहीं कार्रवाई एवं निरीक्षण में अधिकारी-कर्मचारियों की लापरवाही पाए जाने पर उनकी भी जवाबदेही तय की जाएगी।

वनांचल की बेटी रेवंती ने बीएचयू में हासिल किया प्रवेश

▶ लगातार चौथे वर्ष मॉडल स्कूल बिरसा के विद्यार्थी पहुंचे बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय

नवभारत, बैहर। बिरसा वनांचल क्षेत्र में शिक्षा की नई मिसाल कायम कर रहे शासकीय मॉडल स्कूल बिरसा के विद्यार्थियों ने एक बार फिर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। विद्यालय की छात्रा रेवंती मरकाम ने ष्टश्वञ्ज-त्र 2026-27 परीक्षा उत्तीर्ण कर देश के प्रतिष्ठित बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय (क्च॥)), वाराणसी में स्नातक शिक्षा के लिए प्रवेश प्राप्त किया है। खास बात यह है कि लगातार चौथे वर्ष मॉडल स्कूल बिरसा के विद्यार्थी क्च॥ में उच्च शिक्षा के लिए प्रवेश पा रहे हैं।

दूरस्थ वनांचल और जनजातीय क्षेत्र से निकलकर विद्यार्थियों का देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय तक पहुंचना विद्यालय की शैक्षणिक यात्रा की उल्लेखनीय उपलब्धि बन गया है। रेवंती की सफलता ने न केवल विद्यालय परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र के विद्यार्थियों में उच्च शिक्षा के प्रति नई उम्मीद और उत्साह पैदा किया है।

मॉडल स्कूल बिरसा के पूर्व विद्यार्थी अपनी सफलता को केवल स्वयं तक सीमित नहीं रख रहे हैं। बीएचयू मेंटर सहित देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में अध्ययनरत पूर्व छात्र अब विद्यालय के वर्तमान विद्यार्थियों के लिए मेंटर की भूमिका निभा रहे हैं। वे जूनियर्स को सीयूईटभ् की तैयारी, आवेदन प्रक्रिया, प्रवेश, काउंसलिंग, विषय चयन और विश्वविद्यालय से जुड़ी आवश्यक जानकारियां उपलब्ध करा रहे हैं। आवश्यकता पड़ने पर विद्यार्थियों को प्रवेश प्रक्रिया में व्यक्तिगत रूप से भी सहयोग दिया जा रहा है।